मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में लिया तैयारियों का जायजा, बोले...

उत्तरप्रदेश और देश में जश्न का माहौल

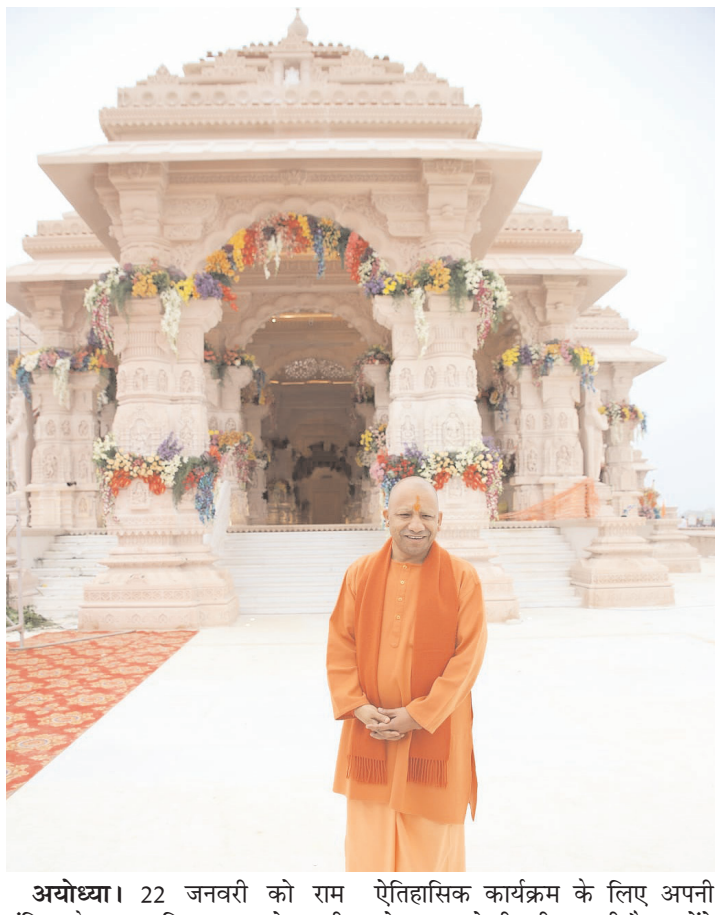

अयोध्या। 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों की समीक्षा को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या में थे। योगी आदित्यनाथ राम कथा पार्क पहुंचे और 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा समारोह से पहले अधिकारियों के साथ बैठक की। सबसे पहले उन्होंने हनुमानगढ़ी मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद मुख्यमंत्री राम मंदिर गए और 'सुखी-स्वस्थ' उत्तर प्रदेश की कामना की। योगी आदित्यनाथ ने सरयू घाट पर लाइफ जैकेट वितरित किए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अयोध्या में सरयू घाट का दौरा किया और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। योगी आदित्यनाथ ने नेपाली बाबा आश्रम में पूजा अर्चना की।

इसके बाद योगी ने अपने बयान में कहा कि राम मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरे अयोध्या धाम, उत्तर प्रदेश और देश में जश्न का माहौल है। मैं यहां कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण करने आया हूं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और राज्य सरकार के मंत्रियों ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए अपनी योजना पहले ही पूरी कर ली है। उन्होंने दावा किया कि युद्ध स्तर पर सभी तैयारियां चल रही हैं। हम राज्य में लोगों के लिए सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। हम चीजों का समन्वय और योजना बनाएंगे लेकिन लोगों को अराजकता से बचने के लिए निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है। लोगों को अपना सहयोग जारी रखने की सलाह दी जाती है ताकि हर भक्त ठीक से दर्शन कर सके। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात भी की।

यूपी के मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस समय पूरा राममय वातावरण है। अयोध्या नगरी सभी लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार है। रामोत्सव के लिए सभी लोग समर्पित भाव से उल्लासित हैं और ऊर्जा, उत्साह चरम पर है। अयोध्या में बन रहे मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार विभिन्न स्थानों पर कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रही है। इसकी जिम्मेदारी संस्कृति विभाग को सौंपी गई है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि संस्कृति विभाग के अधीन ललित कला अकादमी की ओर से कार्यक्रमों की पूरी रूपरेखा तैयार की गई है।

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि अयोध्या धाम के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के मुख्यालय की दीवार पर लगभग तीन हजार वर्गफीट, अयोध्या कलेक्ट्रेट भवन की दीवार पर लगभग 1500 वर्गफीट एवं राम की पैड़ी मार्ग पर स्थित सिंचाई विभाग के भवन की दीवार पर लगभग 1200 वर्गफीट के क्षेत्र में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लगभग 40 कलाकारों द्वारा 'वॉल पेंटिंग' की जा रही है। शुक्ला ने बताया कि नयाघाट स्थित सरयू नदी के तट पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के रेतशिल्पी एवं ओडिशा निवासी पद्मश्री सुदर्शन पटनायक अपने सात सहयोगी कलाकारों के साथ भगवान श्रीराम एवं रामचरित आधारित रेतशिल्प कला शिविर का आयोजन करेंगे, जिसे विश्व कीर्तिमान में दर्ज कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दर्शन-पूजन के उपरांत राम मंदिर भी पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद पूजन में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यहां दिव्य-भव्य मंदिर का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम के मद्देनजर पूरे मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। यहां विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश से व्यवस्था से जुड़ी जानकारी ली। फिर विहिप, ट्रस्ट के साथ ही स्थानीय प्रशासन-पुलिस के अफसरों को चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। अमृत महोत्सव पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी का भव्य स्वागत किया गया। यहां विटेंज कार में बैठकर सीएम योगी कथा स्थल के अंदर पहुंचे। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी ने हनुमानगढ़ी के दर्शन-पूजन किए। संकट मोचन हनुमान के दर्शन कर सीएम योगी ने सुखी-स्वस्थ उत्तर प्रदेश की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रामलला के दर्शन, आरती व परिक्रमा की। महज तीन बाद रामलला अपने भव्य-दिव्य मंदिर में विराजमान होंगे। ऐसे में सीएम ने यहां की सभी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। 11 दिन के भीतर सीएम का रामनगरी का यह तीसरा दौरा था। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों से प्राण-प्रतिष्ठा से जुड़ी तैयारियों के संदर्भ में भी जानकारी ली। हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी ने रामलला के दर्शन-पूजन किए। यहां उन्होंने संतों-महंतों से भी हालचाल जाना।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अमरावती से पहुंचीं 'कुमकुम' की 500 किलोग्राम पत्तियां

नागपुर। अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में 22 जनवरी को होने जा रहे भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए महाराष्ट्र के अमरावती से 500 किलोग्राम 'कुमकुम' की पत्तियां भेजी गई हैं। आध्यात्मिक नेता राजेश्वर मौली और जितेंद्रनाथ महाराज के हाथों 'कुमकुम' की पत्तियां अयोध्या भेजी गई हैं। कुमकुम की पत्तियां अयोध्या रवाना करने के संबंध में बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में सांसद नवनीत राणा शामिल हुईं। भारत में कुमकुम की पत्तियों का गहरा सामाजिक और धार्मिक महत्व है।

श्याम शिला से निर्मित 'राम'

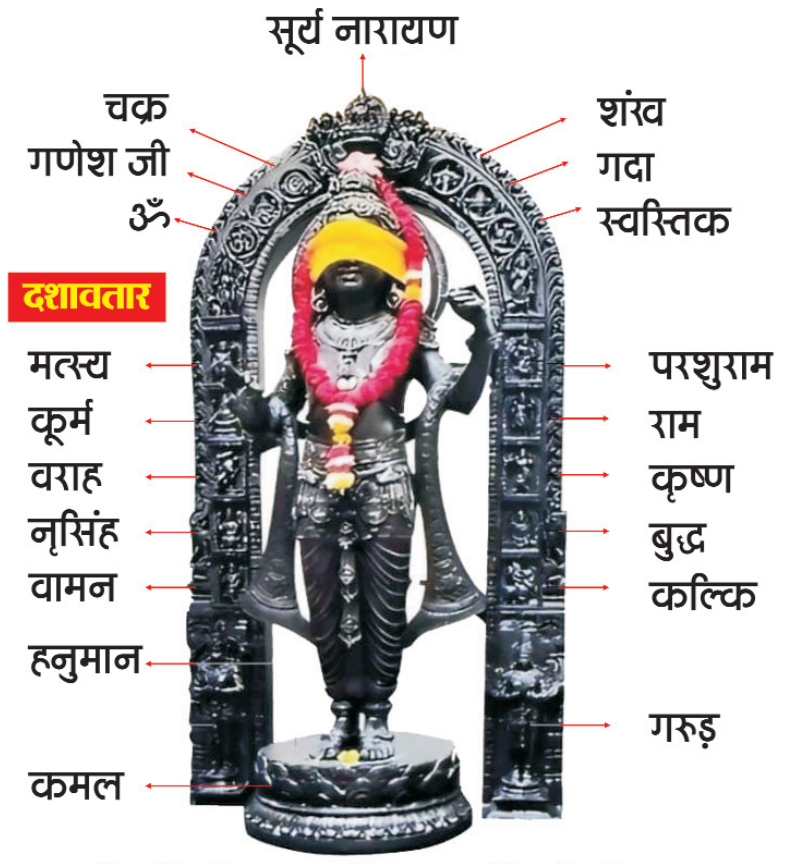

चंदन-रोली से प्रभावित नहीं होगी चमक

प्रदेश भाजपा कार्यालय में कल से होगा अखंड रामायण पाठ

भोपाल। 500 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद 22 जनवरी को भगवान श्रीराम अयोध्या के भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश भर में स्वच्छता अभियान, धार्मिक एवं पूजन-पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

इसी तारतम्य में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में भी अखंड रामायण पाठ का आयोजन होगा। पार्टी कार्यालय स्थित शिव मंदिर में 21 जनवरी को प्रात: 11 बजे से अखंड रामायण पाठ का आयोजन होगा। अखंड रामायण का पाठ प्रदेश भर से आए 108 दिव्यांगजन ब्रेल लिपि में करेंगे, जो देश में अपने तरह का पहला आयोजन होगा। 22 जनवरी को प्रात: 11 बजे हवन-पूजन के साथ अखंड रामायण पाठ का समापन होगा। प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने बताया कि अखंड रामायण पाठ की शुरूआत 21 जनवरी की सुबह 11 बजे होगी। दिव्यांगजन ब्रेल लिपि में रामायण का पाठ करेंगे। इसके लिए विशेष रूप से ब्रेल लिपि में रामायण बुलवाई गई है। ज्यादातर दिव्यांगजनों को रामायण का पाठ कंठस्थ है। पाठ का आयोजन 24 घंटे तक होगा और 22 जनवरी की सुबह 11 बजे हवन-पूजन के साथ अखंड रामायण पाठ का समापन होगा। उसके उपरांत प्रसाद का वितरण किया जाएगा। मोर्चों के पदाधिकारी 5-5 घंटे देंगे समय: कार्यालय मंत्री डॉ. शर्मा ने बताया कि ब्रेल लिपि में अखंड रामायण पाठ का अपने तरह का यह पहला आयोजन है। इस आयोजन में भाजपा के प्रत्येक मोर्चों के पदाधिकारी पांच घंटे समय देंगे और आयोजन को सफल बनाएंगे। 24 घंटे पार्टी कार्यालय राममय रहेगा और हवन-पूजन भी होगा। बड़ी स्क्रीन पर अयोध्या से होगा मुख्य आयोजन का लाइव प्रसारण: डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने बताया कि अखंड रामायण का पाठ अपने समय पर पूरा होगा और ठीक 11 बजे समाप्त हो जाएगा। उसके उपरांत भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन से लाइव प्रसारण भी कार्यालय में देखा जाएगा। इसके लिए मंदिर के सामने बड़ी स्क्रीन लगाई गई है। यहां पर पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उक्त भव्य आयोजन का लाइव प्रसारण देखेंगे।

जीनगर समाज ने निकाली वाहन रैली

भोपाल। जीनगर समाज के तत्वाधान में गौतम नगर बाबा रामदेव मंदिर पर महा आरती कर राजस्थानी शेली में भगवा साफा बंधे वाहनों पर युवा हाथ में धर्म ध्वजा लिए डीजे के भजनों पर नृत्य करते हुए जिसका शुभारंभ पूर्व महापौर आलोक शर्मा, अध्यक्ष अजय पवार, संरक्षक भगवानदास ढालिया ने प्रारंभ कर शहर के विभिन्न स्थानों पर धर्म यात्रा का विभिन्न समाजों ने स्वागत सम्मान किया अंत में लखेरापूरा श्री राम बाबा रामदेव मंदिर पहुंची यहां मंदिर प्रांगण में 1992 में अयोध्या गए कार सेवकों का सम्मान किया और समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी पृथ्वीराज चौहान द्वारा श्रद्धालुओं को 22 जनवरी को दीपावली मनाने हेतु दिए, अगरबत्ती, और पूजन सामग्री वितरित की इस अवसर पर मनोज राठौर, विकास सोनी, गोरधन आसेरी, प्रेम पवार, देवेंद्र चौहान, मनोहर पवार, गोरधन परिहार, घनश्याम पवार, संपत निर्वाण, अशोक सांकले, सुरेश पवार, विकास चौहान, मुकेश पवार उपस्थित थे।

पंचवटी में बरस रहा रामधुन रस

भोपाल। राजधानी की पंचवटी कॉलोनी, एयरपोर्ट रोड में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त विगत 9 दिनों से रामधुन प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है जिससे सारा क्षेत्र राममय हो रहा है। प्रभात फेरी के संयोजक अतुल वर्मा ने बताया कि प्रभात फेरी को पंचवटी, इंद्रविहार, सिंगारचोली, दाता कॉलोनी के रहवासियों का अभूतपूर्व समर्थन प्राप्त हो रही है। इसका समापन 21 जनवरी को लालघाटी स्थित दुर्गा माता मंदिर पर किया जायेगा। पिपलेश्वर महादेव मंदिर से प्रति दिन आयोजित होने वाली प्रभात फेरी का प्रमुख आकर्षण पारम्परिक तरीके से धर्म ध्वज दण्ड, शंख, मंजीरे, झाँझ, ढोलक, झंझर, करताल बजाते रामसेवक, मधुर संगीत पर रामधुन की प्रस्तुति है। इसी क्रम में रश्मि अग्रवाल सोनू दीदी, प्रदेश अध्यक्ष, अग्रवाल महिला सभा के आमंत्रण पर पंचवटी कॉलोनी एयरपोर्ट रोड में 1 लाख 1000 धर्म ध्वज वितरण के पुनीत संकल्प में सहभागिता कर रामकाज करने का अवसर पुन: प्राप्त किया। इस अवसर पर पर्यवेक्षक विश्व हिन्दू परिषद संदीप जैन एवं गाँधी नगर मंडल मंत्री गणेश विश्वकर्मा उपस्थित थे।

पांच सौ साल पहले राजपूतों ने खाई थी कसम...

अब अयोध्या में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ टूटेगा रिवाज

अयोध्या। सरयू नदी के दोनों किनारों पर स्थित लगभग 115 गांवों के निवासी सूर्यवंशी ठाकुर खुद को प्रभु राम के वंशज मानते हैं। उनका यह भी मानना है कि उनके लगभग 90,000 पूर्वजों ने पहले मुगल सम्राट बाबर के कमांडर मीर बाकी के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। मीर बाकी ने राम के जन्मस्थान को चिन्हित करने वाले एक प्राचीन राम मंदिर को तोप से गिरा दिया था और वहां बाबरी रूपी मस्जिद का निर्माण किया था।

22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में होने वाले राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ उत्तर प्रदेश के सूर्यवंशी ठाकुर अंतत: अपने पूर्वजों द्वारा ली गई लगभग 500 साल पुरानी प्रतिज्ञा को समाप्त कर सकते हैं।

अपने देवता के निवास स्थान के नष्ट हो जाने के बाद समुदाय के लोगों ने मुगल सेना के खिलाफ युद्ध छेड़ने का फैसला किया। लेकिन कहा जाता है कि आगे बढ़ने से पहले लड़ाके उनके कुल देवता को समर्पित सूर्य कुंड के पास मंदिर में एकत्र हुए थे और उन्होंने शपथ ली थी कि वे पगड़ी नहीं पहनेंगे या चमड़े के जूते या छाते का उपयोग तब तक करें जब तक राम जन्मभूमि स्थल मुक्त नहीं हो जाता। यानी जब तक कि उस स्थान पर एक मंदिर का पुनर्निर्माण नहीं हो जाता जहां बाकी ने एक मस्जिद का निर्माण किया था। लेखक राम गोपाल विशारद द्वारा लिखित पुस्तक श्री राम जन्मभूमि का प्राचीन इतिहास के अनुसार, 16 वीं शताब्दी में राम मंदिर के कथित विध्वंस के आसपास की घटनाओं पर आधारित कवि जयराज की एक कविता के आधार पर इस प्रतिज्ञा को निम्नलिखित दोहे में दर्शाया गया है:

जन्मभूमि उद्धार होए, जा दिन बैरी भाग, छटा जग पनाही नहीं, और नहीं बंधी पग (जब तक जन्मभूमि मुक्त नहीं हो जाती, हम छाते का उपयोग नहीं करेंगे या चमड़े के जूते या पगड़ी नहीं पहनेंगे)। शिलालेख के अनुसार मीर बाकी द्वारा 1528-29 में निर्मित बाबरी मस्जिद को लंबे समय से चले आ रहे बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद के हिस्से के रूप में 6 दिसंबर 1992 को कार सेवकों (सामुदायिक सेवा करने वाले लोग) द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था।